Programme outcomes

01. जनसंचार माध्यमों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि उनकी वर्तमान स्थिति एवं उनकी सामाजिक भूमिका के बारे में छात्रों को जानकारी मिलती है जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

02. मीडिया जगत से जुडे विभिन्न सैद्धातिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से छात्रों को रुबरु कराया जाता है।

03. विद्यार्थियों को एकरिंग या होस्टिंग जैसी विधाओं के लिए बोलने की कला, समाचार, आलेख, स्तंभ निर्माण हेतु लेखन कला, ऐडिटिंग, डिजाइनिंग, रिपोर्टिंग आदि सिखाया जाता है।

04. डॉक्यूमेंट्री, शार्ट फिल्म, फीचर फिल्म, टीवी एवं रेडियों प्रोग्राम्स हेतु विडियोग्राफी, एडिटिंग आदि सिखाई जाती है।

05. फोटोग्राफी कला में विद्यार्थी को पारंगत करनें हेतु कैमरा ऑपरेटिंग एवं फोटोंगाफी के गुर सिखाए जाते है।

06. मीडिया से संबंधित विभिन्न कानूनों, वेब रिपोर्टिंग, सामाजिक एवं राजनितिक विषयों की जानकारी, सामाजिक मूल्यों की जानकारी,मीडिया प्रबंधन की जानकारी एवं राजनितिक विषयों की जानकारी एवं विभिन्न तकनीकी कलाओं का विकास विद्यार्थियों में किया जाना है।

Programme specific outcomes

01. विभिन्न मीडिया संस्थानों में बतौर रिपोर्टर, संवाददाता, संपादक, ब्यूरोचीफ आदि में रोजगार के अवसर।

02. फोटोग्राफर एवं वीडियों ग्राफर के रुप में रोजगार एवं स्वतंत्र व्यावसाय के अवसर।

03. फीलांस जर्नलिस्ट के रुप में जर्नलिस्ट के रूप में स्तंभकार एवं लेखक बनने की संभावनाएं।

04. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में न्यूजएंकर, न्यूज रीडर एवं प्रोग्राम होस्ट बनने की संभावनाएं।

05. रेडियों जॉकी एनांउनसर एवं कम्पेयर के रूप में कार्य करने के अवसर।

06. फिल्म इंडस्ट्रीं में पटकथा लेखक, फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं कलाकार बनने की संभावनाएं।

07. रंगमंच में बतौर कलाकार कार्य करने के अवसर।

08. वेब जर्नलिस्ट के क्षेत्र में ब्लॉग राइटर एवं वेब जर्नलिस्ट बनने की संभावनाएं।

09. मार्केटिंग विज्ञापन एवं जनसंर्पक के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं।

10. मीडिया शिक्षक के रूप में उच्च शिक्षा में अध्यापन कार्य की संभावनाएं।

Courese outcomes

BA(jmc)1st semester :-

01. हिन्दी भाषा पर विद्याथियों की पकड़ मजबूत होती है जिससे विद्याथियों के लेखन एवं वाक् कौशल का विकास होता है।

02. विद्यार्थी संचार की बारिकियों से अवगत होते हैं जिससे उनमें संचार कौशल का विकास होता है।

03. मूल्य शिक्षा के माध्यम से विद्याथिया में मानवीय मूल्यों का विकास होता है जो विद्याथियों में शिष्टाचार तथा चरित्र निर्माण में सहायक है।

04. विद्यार्थियों के राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर राजनितिक वातावरण की जानकारी मिलती है तथा विद्यार्थी देश की कानून व्यवस्था एवं संविधान से परिचित होते हैं।

05. विद्यार्थी शासन के विभिन्न अंगों, संसदीय कार्य प्रणाली मौलिक अधिकारों एवं कर्त्तव्यों, नीतियों एवं योजनाओं आदि से परिचित होते हैं।

06. छात्रों को भारतीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था की जानकारी मिलती है तथा छात्र बाजार नीतियों उत्पादक एवं उपभोक्ता अंर्तसंबधों आदि की जानकारी प्राप्त करते है।

BA(jmc)2nd semester :-

01. विद्यार्थियों में अग्रेजी भाषा बोलने एवं लिखने की समझ विकासित होती है।

02. प्रिंट मीडिया के इतिहास, विकास, प्रसार, कार्यप्रणाली, संभावनाओं एवं चुनौतियों के संबध में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

03. मूल्य शिक्षा के द्वारा छात्रों में सद्प्रवृत्तियों का विकास होता है तथा समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।

04. पर्यटन को बढावा देने में मीडिया की भूमिका से विद्यार्थी अवगत होते हैं।

05. छात्र जनजातीय संस्कृति (रहन–सहन, खान–पान, लोक परंपराएं) से परिचित होते हैं।

06. व्यावसायिक संगठनों की आंतरिक कार्यप्रणाली व्यवहार कार्यकरने का तरीका प्रबंध कौशल टीम वर्क आंतरिक संचार सिद्धांतों एवं वस्तुस्थिति से छात्र परिचित होते हैं।

BA(jmc)3rd semester :-

01. विद्यार्थियों को कम्प्यूटर का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है जिससे ये तकनीकी रूप से दक्ष होते हैं।

02. मनोवैज्ञानिक अध्ययन करने से छात्र व्यवहार कुशल होते हैं, और उनका नजरिया एवं वैज्ञानिक पक्ष मजबूत होता है।

03. भारतीय संविधान एवं मीडिया से संबंधित विभिन्न कानूनों की जानकारी प्राप्त होती है जिससे भविष्य में विद्यार्थी अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का सदुपयोंग कर सकें।

04. विद्यार्थियों में समाचार एवं अन्य लेखन की कला विकसित होती है।

05. फील्ड एवं डेस्क रिपोर्टिंग की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक कला विकसित होती है।

BA(jmc)4th semester :-

01. लोक माध्यमों एवं लोक कलाओं की जानकारी मिलती है। छात्र लोक परंपराओं से परिचित होते है।

02. छत्तीसगढी लोक संस्कृति की जानकारी छात्रों को मिलती है।

03. जनसंपर्क के क्षेत्र की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होती है।

04. इलेक्ट्रॉनिक दृश्य–श्रव्य माध्यमों जैसे रेडियों एवं टेलिविजन के इतिहास प्रसार कार्य प्रणाली सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष से परिचित होकर विद्यार्थी तकनीकी रूप से दक्ष होते हैं। वाक् कौशल एवं लेखन का विकास होता है।

05. ग्रामीण एवं क्षेत्रीय सामुदायिक संस्कृति से विद्यार्थी परिचित होते हैं तथा सामुदायिक विकास से परिचित होते हैं तथा सामुदायिक विकास का अध्ययन करते है।

06. फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की कला में व्यावहारिक एवं तकनीकी दक्षता विद्यार्थियों को प्राप्त होती है।

BA(jmc)5th semester :-

01. छात्रों को पुरातन एवं आधुनिक सामजिक संरचना की जानकारी प्राप्त होती है सामाजिक परिवर्तनों समाजिक व्यवहार आदि से छात्र परिचित होते हैं।

02. विद्यार्थी विज्ञापन की दुनिया से परिचित होते हैं। विज्ञापन जगत के सैद्धातिक एवं व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी मिलती है।

03. विभिन्न सामयिक, सामाजिक, राजनैतिक मुद्दों जनान्दोलनो वैश्विक समस्याओं, मीडिया की रणनीति एवं सामाजिक भूमिका आदि की जानकारी छात्रों को दी जाती है।

04. प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तकनीकी पहलुओं जैसे डिजाइन, पेजमेकिंग, साउंड, वीडियों एवं टेक्स्ट एडिटिंग, फोटो एडिटिंग लेआउट डिजाइनिंग आदि विधाओं में विद्यार्थी पारंगत हो सकतें हैं।

05. विद्यार्थी संपादन कला में पारंगत होने हेतु आवश्यक ज्ञान अर्जित करते हैं।

BA(jmc)6th semester :-

01. राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी मिलती है।

02. मीडिया प्रबंधन अर्थात मीडिया संस्थानों की आंतरिक संगठनात्मक संरचना, कार्यप्रणाली, मार्केटिंग, प्रसार, संगठनात्मक प्रबंध, चुनौतियॉ, कार्य विभाजन, मूल्य निर्धारण नियुक्यिॉ, वेतन, नीतियॉ आदि से छात्र परिचित होते हैं।

03. वेब पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी छात्रों कों देकर उन्हें तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है।

04. रेडियों एवं टीवी प्रोडक्शन की बारिकियों से छात्र रुबरु होते है।